स्वावलंबन

* निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अति लघूत्तरीय प्रश्न-

1. दीपू ने कुत्ते का क्या नाम रखा?

Ans: दीपू ने कुत्ते का नाम " हैप्पी " रखा। वह कुत्ते को अपनी मित्रता और जिम्मेदारी के रूप में मानता था

2. दीपू का कुत्ता कैसा था?

Ans: दीपू का कुत्ता हैप्पी चितकबरा बहुत वफादार, खुशमिजाज और चंचल था। वह हमेशा दीपू के साथ खेलता और उसकी मदद करता, जिससे दीपू को अपने कुत्ते से गहरा स्नेह था।

3. कुत्ते का रंग कैसा था?

Ans: दीपू के कुत्ते का रंग चितकबरा था |

लघूत्तरीय प्रश्न-

1. दीपू ने हैप्पी को क्या-क्या सिखाया था?

Ans: दीपू ने हैप्पी को कई चीज़ें सिखाई थीं। उसने हैप्पी को तेज दौड़ना, ऊपर उछलना, फेंकी गई वस्तु उठाकर लाना, व्यक्ति व वस्तुओं की पहचान करना आदि सिखाया था।

2. दीपू ने स्कूल से आकर क्या देखा?

Ans: दीपू स्कूल से वापस आया तो देखा कि घोंसला टूटा पड़ा था। तिनके जमीन पर बिखरे पड़े थे और नर व मादा चिड़ियाँ चीं-चीं करके दुखी हो रही थीं।

3. दीपू ने घोंसला किस प्रकार बनाया?

Ans: दीपू ने घोंसला बनाने के लिए बाग में जाकर सूखे तिनके एकत्र किए, कुछ टहनियाँ लाया। बेकार पड़े तार से घोंसले का एक साँचा बनाया फिर उसमें आड़े-तिरछे करके तिनके लगाए। जैसे-तैसे घोंसला बनकर तैयार हुआ। इसके बाद उसने घोंसले के भीतर रुई लटन की मुलायम परतें बिछा दीं। इन सभी चीजों से उसने एक मजबूत और आरामदायक घोंसला बनाया।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

1. घोंसला बनाने की दीपू की सारी मेहनत किस प्रकार व्यर्थ गई?

दीपू की सारी मेहनत व्यर्थ गई जब शाम को चिड़िया और चिड़ा आए। उन्होंने अपनी चोंच से घोंसले का एक-एक तिनका निकालकर फेंक डाला।

2. अंत में चिड़ियों द्वारा अपना घोंसला स्वयं बनाने पर दीपू की समझ में क्या आया?

अंत में चिड़ियों द्वारा अपना घोंसला स्वयं बनाने पर दीपू की समझ में आया कि हमें अपने काम खुद करने चाहिए और दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसने उसे स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का महत्व समझाया।